मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

23 सितंबर 2025 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मलयालम अभिनेता **मोहनलाल** को 71वें **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** समारोह के दौरान वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित **दादा साहब फाल्के पुरस्कार** प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **मोहनलाल के बारे में:**

  - 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा में जन्मे **मोहनलाल** ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत **थिरनोट्टम (1978)** से की तथा **मंजिल विरिंजा पुक्कल (1980)** में खलनायक के रूप में पदार्पण किया।
  - वर्ष 1986 में, **राजाविन्ते मकान** में उनकी भूमिका ने उन्हें **मलयालम सिनेमा** के पहले आधुनिक **सुपरस्टार** के रूप में स्थापित कर दिया।
  - 45 से अधिक वर्षों और 400 से अधिक फिल्मों के साथ, मोहनलाल **मॉलीवुड** (Mollywood) में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने **थनमथरा, इरुवर, दृश्यम** और **लूसिफर** जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।
  - उन्हे वर्ष 1991 में **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** के लिये **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** मिला और वर्ष 2001 में **पद्म श्री** तथा वर्ष 2019 में **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।
- **दादा साहब फाल्के पुरस्कार:**
  - यह **देश का सर्वोच्च फिल्म सम्मान है जिसकी शुरुआत वर्ष 1969** में हुई थी, जो "**भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट**

योगदान" के लिये दिया जाता है।

- यह पुरस्कार पहली बार "भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला" **देविका रानी** को प्रदान किया गया था।
- इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल, **10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण-पत्र**, एक रेशम रोल और एक शॉल शामिल है।
- इसे **भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाता है।**

- **धुंडीराज गोविंद फाल्के:**
  - वह एक भारतीय निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे, जिन्होंने **भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913) का निर्देशन किया था।**
    - उन्हें "**भारतीय सिनेमा के जनक**" **के रूप में जाना जाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mohanlal-honored-with-dadasaheb-phalke-award